

घनमान पुं. (तत्.) किसी पदार्थ की लंबाई-चौड़ाई और मोटाई का सम्मिलित मान दे. घनफल।

घनरस पुं. (तत्.) जल पानी 2. कपूर 3. हाथियों में होने वाला एक रोग जिसमें उसका खून बिगड़ जाता है, पैर के नाखून गलने लगते हैं, इस रोग को हाथियों का कोढ़ समझना चाहिए 4. घना या गाढ़ा रस 5. मोरट नाम का पौधा जिसका रस गाढ़ा होता है 6. पीलुपर्णी।

घनवर्ग पुं. (तत्.) गणित में घन संख्या का वर्ग।

घनवाहन पुं. (तत्.) पवन, वायु, हवा 2. इंद्र, जिसका वाहन मेघ है, शिव, जिनका वाहन घन की तरह श्वेत हो।

घनश्याम पुं. (तत्.) काला बादल 2. श्री कृष्ण 3. श्री राम चंद्रजी 4. बादलों के समान काला।

घनसार पुं. (तत्.) जल, पानी 2. कपूर 3. महामेघ, घना बादल 4. पारद, पारा 5. चंदन।

घनांजनी स्त्री. (तत्.) दुर्गा, काली वि. घनों के सामान काली।

घनांत पुं. (तत्.) वर्षा का समाप्तिकाल 2. शरद् ऋतु 3. वेद मंत्रों के 'घन' नामक विकृति पाठ के कर्ता यौ. घनांत पाठी-वे वेदपाठी जो घनपाठ नामक अष्ट विकृतियों के पाठ में निष्णात हो।

घनांधकार पुं. (तत्.) गहरा अंधेरा, निबिड़ अंधकार।

घना स्त्री. (तद्.) 1. रुद्रजटा 2. माषपर्णी 3. एक प्रकार का वाद्य 4. जिसके अवयव या अंश पास-पास सटे हों, सघन, पास-पास।

घनाकर/घनागम पुं. (तत्.) वर्षा ऋतु, बरसात।

घनाक्षरी पुं. (तत्.) दंडक या मनहर छंद जिसे साधारण लोग कवित्त कहते हैं।

घनाघन पुं. (तत्.) 1. इंद्र 2. मस्त हाथी 3. बरसने वाला बादल।

घनात्मक पुं. (तत्.) 1. जिसकी लंबाई-चौड़ाई और मोटाई बराबर हो 2. जो लंबाई-चौड़ाई, और मोटाई (गहराई, ऊंचाई) को गुणा करने से निकला हो (क्षेत्रफल)।

घनात्यय पुं. (तत्.) शरद् ऋतु, घनीत।

घनानंद पुं. (तत्.) गद्य काव्य का एक भेद 2. हिंदी के एक प्रसिद्ध कवि जिन्हें आनंदवघन भी कहते हैं।

घनामय पुं. (तत्.) खजूर।

घनाश्रय पुं. (तत्.) आकाश।

घनिष्ठ वि. (तत्.) गाढ़ा घना, बहुत अधिक 2. सबसे अधिक घना, सबसे अधिक निकट, अत्यंत निकट, पास का, नजदीकी।

घनिष्ठता स्त्री. (तत्.) घनिष्ठ होने की स्थिति या भाव 2. गाढ़ी मैत्री, घनी दोस्ती या पक्की दोस्ती।

घनीतर वि. (तत्.) जो ठोस न हो 2. तरल।

घनीभाव पुं. (तत्.) वह तरल पदार्थ जो अत्यंत गाढ़ा या सघन हो।

घनीभूत पुं. (तत्.) अत्यंत गाढ़ा, प्रगाढ़, सघन, केंद्रीभूत।

घनेरे पुं. (देश.) बहुत अधिक, अनगिनत, अधिक।

घनोत्तम पुं. (तत्.) मुखाकृति, मुखड़ा, चेहरा।

घनोदधि पुं. (तत्.) एक नरक का नाम।

घनोदय पुं. (तत्.) वर्षाकाल, वर्षा काल का आरंभ।

घनोपल पुं. (तत्.) ओला, पत्थर, उपल, बिजौरी।

घपची स्त्री. (हि.) किसी वस्तु को पकड़कर घेर रखने के लिए दोनों हाथों के पंजों की गठनता, दोनों हाथों की मजबूत पकड़ उदा. घपची बांधकर पानी में कूदना।

घपचियाना अ.क्रि. (देश.) किसी को चक्कर में डालना, घबराहट पैदा करना, चकराना।

घपला पुं. (देश.) दो परस्पर भिन्न वस्तुओं की ऐसी मिलावट जिसमें एक से दूसरे को अलग करना कठिन हो 2. गड़बड़, गोलमाल, घोटाला।

घपुआ वि. (देश.) मूर्ख, जड़, उल्लू, नासमझ।

घबड़ाना पुं. (देश.) दे. 'घबराना'।